

प्रेषक

आर0कं0 मिश्र  
अपर सचिव  
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में

निदेशक  
आई0टी0डी0ए0  
93, फेस-II  
वसन्त विहार  
देहरादून

सूचना: प्रौद्योगिकी विभाग

देहरादून: दिनांक 27 जनवरी 2009

विषय:- स्वान योजना की PoP के आगमनों के सापेक्ष धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एन0आई0सी0 के पत्र संख्या NIC/USU/2008-12/697/4 दिनांक 08 दिसम्बर 2008 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। उक्त पत्र के माध्यम से जनपद हरिद्वार की विभिन्न PoP से सम्बन्धित शासन में प्राप्त आगमनों का परीक्षण टी0ए0सी0 वित्त विभाग से कराया गया। टी0ए0सी0 वित्त विभाग द्वारा परीक्षणोपरान्त धनराशि रु0 14.33 लाख के सापेक्ष धनराशि रु0 13.87 लाख पर स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत धनराशि का विवरण निम्नानुसार है:-

SN	Locations	Demand of Amount (In Rs Lacs)	Amount recommended by TAC (In Rs Lacs)
1.	DHQ- Roshnabad- Haridwar	4.97	4.81
2.	THQ Haridwar	4.68	4.53
3.	THQ Laksar	4.68	4.53
4.	Total	14.33	13.87

उक्त स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के साथ प्रदान की जाती है।

- कार्य करने से पूर्व नटदार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शीटपूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार मूल्य से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।


11.2

1166  
30/1/09  
PC (F&A)


11.2  
11.2

- III. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
  - IV. एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमादन प्राप्त कर लिया जाय।
  - V. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वे0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
  - VI. निर्माण सामग्री कय करने से पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्वेज नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय।
  - VII. कार्य करने से पूर्व उच्चधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भाँति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
  - VIII. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
  - IX. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य करत समय वा आगणन गठित करत समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 2- कृपया जिलाधिकारी हरिद्वार को स्वाम योजना की RsP हेतु धनराशि ₹0 13.87 लाख अयमुक्त करने का कष्ट करें।

भवदीय

  
(आर0के0 मिश्र)  
अपर सचिव

प्रतिलिपि जिलाधिकारी, हरिद्वार को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

आज्ञा से  
  
(आर0के0 मिश्र)  
अपर सचिव